

चिटफंड घोटाले में शामिल कंपनियों की कितनी प्रॉपर्टी अटैच की गई हाई कोर्ट ने सीबीआई से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अव्यक्तता वाली खंडपीठ ने मंगलवार को चिटफंड घोटाला में निवेशकों के दूबी राशि के मामले में सीबीआई को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सीबीआई से पूछा है कि चिटफंड घोटाले में शामिल कंपनियों की कितनी प्रॉपर्टी अटैच की गई, भुक्तभागी लोगों को उनका पैसा वापसी के लिए क्या रास्ता हो सकता है। कोर्ट ने आज चिटफंड घोटाला में पैसा की वापसी को लेकर नन बैंकिंग अभियान निवेशक सुकृता समिति नहिं अब दायर याचिकाओं की सुनवाई की। इससे पहले मायने में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि सरकार ने झारखंड के जमाकाताओं के हितों का संरक्षण (वित्तीय स्थापनाओं में)



अधिनियम 2011 बनाया है। इसके अर्थात् प्रभावित लोगों की हिसाब से चिटफंड से प्रभावित लोगों को संबंधित अर्थात् के पास आवेदन देना होगा। यह

शिकायत का निवारण करेगी। कोर्ट ने सरकार की इस जवाब पर असंतुष्ट जाता हुए कहा कि यह

में वेस्ट बंगाल, उड़ीसा की तर्ज पर एक कमीशन बनाकर कार्पेंस फंड बनाना होगा। इस फंड के लिए सरकार को पैसा मुद्रेय करना होगा, जिसमें चिटफंड के प्रभावित लोगों को पैसा वापसी का रास्ता बन सके। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई सात जुलाई में याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि चिटफंड घोटाला में शामिल कई कंपनियों के संचालकों को इडा और सीबीआई ने करोड़ की संपत्ति सीज की है। चिटफंड घोटाले के सीज पैसे ईडी और सीबीआई ने बैंकों में रखे हैं। याचिका में कहा गया है कि कई ग्रामों में एक कमेटी बनाकर चिटफंड के शिकार लोगों के केस को डिस्पोजल किया जा रहा है और उन्हें उनके दूबे पैसे दूबे पैसे को वापस दिलाया जाए।

एक व्यक्ति के पैसे वापसी की बात नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की बात है। ऐसे

नहीं हो रही है, बल्कि चिटफंड

घोटाले से प्रभावित सैकड़ों लोगों

के पैसे की वापसी की ब

12वीं के बाद छात्र आर्स स्ट्रीम में करें ये टॉप डिप्लोमा कोर्स

कसर 12वीं कक्षा के बाद अपने करियर और कोर्स को लेकर परेशन रहते हैं। वह इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि आखिर उनके लिए कौन सा स्ट्रीम बेस्ट है। आपको बता दें कि 12वीं के बाद आर्स स्ट्रीम में ये डिप्लोमा कोर्स अपनी स्किल को मजबूत कर सकते हैं। 12वीं कक्षा पास करने के बाद कई छात्र आगे की पढ़ाई और अपने करियर को लेकर काफी चिंतित रहते हैं। अक्सर छात्र इस दुविधा में रुक्त हैं कि उनके लिए कौन सा स्ट्रीम बेस्ट है। जहां छात्र एक तरफ अपने करियर तो दूसरे तरफ एक पैशन को कोकस करते हैं। बोर्ड के एग्जाम होने के बाद कई छात्रों में बोर्ड एग्जाम का रिजल्ट भी घोषित किया जा चुका है। जिसके बाद अब छात्र इसी चिंता में हैं कि उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए किस कोर्स को चुनें। छात्रों को अक्सर यह चिंता रहती है कि वह बीएससी में कौन से विषय चुनें, बीए में कौन से विषय चुनें या फिर मैनेजमेंट की तरफ।



करें। लेकिन आप को बता दें कि 12वीं के बाद स्टूडेंट्स कई अन्य क्षेत्रों में डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि स्टूडेंट्स अपनी डिग्री कोर्स के साथ डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। इससे न छात्रों की नॉलेज इम्प्रूव होगी, बल्कि इन कोर्स से उनकी सीवी भी मजबूत होगी। इस दौरान स्टूडेंट्स कई विषयों पर शिक्षा प्राप्त करते हैं। जिनमें वह अपनी स्किल डेवलपमेंट कोर्स का चयन करते हैं।

12वीं के बाद आर्स में डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा (पॉटिंग)

लोक प्रशासन में डिप्लोमा

जनसंपर्क में डिप्लोमा

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में डिप्लोमा

आर्ट एंड क्राफ्ट में डिप्लोमा

प्रदर्शन कला में डिप्लोमा

परमणी और मार्गदर्शन में डिप्लोमा

छायांकन में डिप्लोमा

अंग्रेजी में डिप्लोमा

अधिन्याय में डिप्लोमा

डिजिटल मार्किटिंग में डिप्लोमा

परियोजना प्रबंधन में डिप्लोमा

औद्योगिक सुरक्षा में डिप्लोमा

होटल प्रबंधन में डिप्लोमा

फोटोग्राफ में डिप्लोमा

शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा

फोटोग्राफी में डिप्लोमा

फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा

विजुअल आर्ट्स में डिप्लोमा

इवेंट मैनेजमेंट में डिप्लोमा

पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा

उचित प्रयोजन में डिप्लोमा

इंटरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा

फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा

मल्टीमीडिया में डिप्लोमा

वीएफएस / ग्राफिक डिजाइनिंग /

विजुअल आर्ट्स में डिप्लोमा

डिजिटल मार्केटिंग में डिप्लोमा

मनोविज्ञान में डिप्लोमा

यात्रा और पर्यटन में डिप्लोमा

होटल प्रबंधन में यूजी डिप्लोमा

योग में डिप्लोमा/स्टार्टिफेट

प्रक्रिया और जनसंचार में डिप्लोमा

रेडियो प्रेडक्शन एंड मैनेजमेंट में डिप्लोमा

डिप्लोमा इन फिल्म एडिटिंग

टीवी सीरियल और फिल्म-मैकिंग में डिप्लोमा

छात्रों को अक्सर यह चिंता रहती है कि वह बीएससी में कौन से विषय चुनें, बीए में कौन से विषय चुनें या फिर मैनेजमेंट की तरफ अपना रुख करें। लेकिन आप को बता दें कि 12वीं के बाद स्टूडेंट्स कई अन्य क्षेत्रों में डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि स्टूडेंट्स अपनी डिग्री कोर्स के साथ डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। इससे न छात्रों की नॉलेज इम्प्रूव होगी, बल्कि इन कोर्स से उनकी सीवी भी मजबूत होगी। इस दौरान स्टूडेंट्स कई विषयों पर शिक्षा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। जिनमें वह अपनी स्किल डेवलपमेंट कोर्स का चयन करते हैं।

डिप्लोमा व्यवसाय प्रबंधन में डिप्लोमा अनुवाद में डिप्लोमा जीवानी में डिप्लोमा संगीत में डिप्लोमा रूसी में डिप्लोमा स्पैनिश में डिप्लोमा जर्मन में डिप्लोमा फ्रेंच में डिप्लोमा

♦ अनन्या मिश्रा

एजीक्यूटिव पीजी डिप्लोमा मैनेजमेंट नये शोध से खुली ओएलईडी अनुप्रयोग की कई संभावनाएं का कोर्स कर करियर को दें उड़ान का

ग्रे जुर्जन के बाद छात्र

मार्केटिंग का कोर्स कर इसमें अपना करियर बना सकता है।

हालांकि इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कुछ एलजिजिलिटी का होना चाहिए है। एजीक्यूटिव पीजीडीएम कोर्स को कोर्स 2 साल का होता है। यह एक पॉस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम है। जो किसी को कुशल और प्रबाधी तरीके से बाजार में विभिन्न वित्तावकों के साथ व्यवसाय करना सिखाता है। इसके अलावा वह कोर्स समकालीन टेक्निकों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। अज वह अपने एजीक्यूटिव पीजीडीएम कोर्से से संबंधित सभी जानकारियों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही इस एटिकल में आपको वह भी बताएंगे कि मार्केटिंग में एजीक्यूटिव पीजीडीएम करने के लिए क्या क्या करें।

मार्केटिंग: पात्रता

इच्छुक कैडिटेट के पास किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज या संस्थान से किसी विशिष्ट क्षेत्र में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए।

ग्रेजुएशन में कम से कम 50%

अंक होना चाहिए है।

इस कोर्स के लिए किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन करने वाले छात्र

पॉस्ट एग्जाम

कैट - कॉमन एडमिशन टेस्ट मैट - मैनेजमेंट एटीट्यूड टेस्ट

एक्सएस्टी - जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट

एटीएम - प्रबंधन प्रवेश के लिए

एआरएमप्रॉस्ट टेस्ट

एप्जीक्यूटिव पीजीडीएम मार्केटिंग:

सिलेबस एजीक्यूटिव पीजीडीएम

आवेदन कर सकते हैं।

एजीक्यूटिव पीजीडीएम मार्केटिंग:

एडमिशन प्रोसेस

अधिकारीय युनिवर्सिटी में

एजीक्यूटिव पीजीडीएम मार्केटिंग

एडमिशन आमतौर पर पॉस्ट

एजीक्यूटिव पीजीडीएम मार्केटिंग

कोर्स का प्रकार - पॉस्ट ग्रेजुएशन

कोर्स की अवधि - 2 साल

पात्रता - 50% अंकों के साथ

ग्रेजुएशन

एडमिशन प्रोसेस - 5,000 से 10 लाख

जॉब प्रोफाइल - मार्केटिंग

कम्प्युटरिंग सेवाएं

एडमिशन एलजिजिलिटी

